

दिव्य भास्कर

डॉ. कराडने एवोर्ड्स ओफ़ एक्सलन्स

शिक्षण अने वैश्विक शांतिमां आजूवन योगदान माटे एमआईटी वर्ल्ड पीस युनिवर्सिटीना संस्थापक- प्रमुख प्रो. डॉ. विश्वनाथ डॉ. कराडने पश्चिम बंगालना राज्यपाल डॉ. सी वी आनंद बोस द्वारा गवर्नर्स एवोर्ड्स ओफ़ एक्सलन्सची नवाजवामां आल्या छे.

पुणे : व्यवहार चातुर्याचे शिक्षण आणि 'मिशन ऑफ़ द अक्शन' या दोन तत्वांवर आधारित विद्यार्थ्यांनी आपले जीवन घडवावे. नेल्सन मंडेला म्हणायचे समाज परिवर्तनासाठी शिक्षण हे अत्यंत महत्वाचे शस्त्र आहे. तसेच शिक्षणातून रोजगार मिळतो, त्यामुळे पदवी घेतल्यानंतरही सतत अध्ययन करणे आवश्यक आहे, असे मत पश्चिम बंगालचे राज्यपाल डॉ. सी. व्ही. आनंद बोस यांनी व्यक्त केले. हे विचार एमआयटी वर्ल्ड पीस युनिवर्सिटीच्या ७व्या दीक्षांत समारंभात व्यक्त केले गेले, जे लोणीकाळभोर, पुणे येथील विश्व



सभामंडप, विश्वराजबाग येथे पार पडले. या समारंभात विद्यापीठाच्या ६८०० विद्यार्थ्यांना पदवी प्रमाणपत्र प्रदान करण्यात आले. समारंभाच्या प्रसंगी पश्चिम बंगाल राज्यपाल वतीने प्रा. डॉ. विश्वनाथ दा. कराड यांना 'गवर्नर्स अवॉर्ड ऑफ़ एक्सलन्स' ने गौरविण्यात आले. तसेच आंतरराष्ट्रीय व्यवसाय

सल्लागार आणि लेखक प्रा. डॉ. राम चरण हे सन्माननीय पाहुणे म्हणून उपस्थित होते. समारंभात विद्यार्थ्यांना विविध पुरस्कार प्रदान करण्यात आले. श्वेता राजश्री अय्यर यांना 'फाउंडर प्रेसिडेंट मेडल' आणि वेदांगी गुणेश पाटकर यांना 'एक्झिक्युटिव्ह प्रेसिडेंट मेडल' प्रदान करण्यात आले. त्याशिवाय

३०६ विद्यार्थ्यांना सुवर्ण, रौप्य आणि कांस्यपदक, तसेच ३७ विद्यार्थ्यांना पीएचडी प्रदान करण्यात आली. प्रा. डॉ. राम चरण म्हणाले, "जीवनात यशस्वी होण्यासाठी मानसिक क्षमता वाढवणे, सतत अध्ययन करणे, लोकांबरोबर काम करणे, विश्वासाहून राहणे, सत्य पाळणे आणि वचन निभावणे अत्यंत महत्वाचे आहे. पदवी घेतल्यानंतर खरा प्रवास सुरू होतो." प्रा. डॉ. विश्वनाथ दा. कराड यांनी सांगितले, "भारतीय संस्कृती, परंपरा आणि तत्त्वज्ञान जीवनात शांती निर्माण करतात. विद्यार्थ्यांनी शिस्त पाळावी, कर्तव्य

ओळखावे, पवित्रात सुख-समाधान आणि शांतीचा मार्ग दाखवावा." डॉ. राहुल विश्वनाथ कराड यांनी नमूद केले, "विद्यापीठ जागतिक आणि आध्यात्मिक ज्ञान देऊन विद्यार्थ्यांना घडविते. शिक्षण व संशोधनाच्या माध्यमातून समाजातील समस्या सोडविण्यावर भर दिला जातो." समारंभात अजित नायर म्हणाले, "विद्यार्थ्यांनी एआय टूल्ससारख्या नव्या तंत्रज्ञानाचा योग्य वापर करावा. याचा उपयोग जगाच्या कल्याणासाठी केला पाहिजे. तसेच येथे कृत्रिम बुद्धिमत्तामध्ये पीएचडी घेणाऱ्यांचे अभिनंदन."

जनसामान्यांची महाशक्ती

नवशक्ति

पश्चिम बंगालचे राज्यपाल डॉ. सी. व्ही. आनंद बोस यांचे मत

विद्यार्थ्यांनी व्यवहार चातुर्याचे शिक्षण घ्यावे !

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के संस्थापक गवर्नर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित

मुंबई। एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के संस्थापक-अध्यक्ष प्रो. डॉ. विश्वनाथ डी. कराड को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस द्वारा "गवर्नर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस" से सम्मानित किया गया। पुणे में आयोजित एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के 7वें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए राज्यपाल डॉ. बोस ने कहा कि हर महान उपलब्धि एक दृष्टि से शुरू होती है, जिसे कर्म में परिवर्तित करना आवश्यक है। दृष्टि बिना कर्म के व्यर्थ है और कर्म बिना दृष्टि के दिशाहीन। शिक्षा की शक्ति पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का अर्थ है मुक्ति, सशक्तिकरण और समृद्धि। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 114 स्वर्ण, 103 रजत और 103 कांस्य पदक दिए गए, जबकि 37 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।



Governor honours Prof. Dr. Vishwanath Karad MIT-WPU 7th Convocation Ceremony

Kolkata: In recognition of his lifelong contributions toward education and global peace, Prof. Dr. Vishwanath D. Karad, Founder-President of MIT World Peace University (MIT-WPU), was honored with the "Governor's Award of Excellence" by Dr. C. V. Ananda Bose, Governor of West Bengal.

Speaking at the 7th Convocation Ceremony of MIT-WPU in Pune, Dr. Bose remarked, "Every great achievement begins with a vision that must be translated into action. Vision without action is meaningless, and action without vision can be counterproductive."

Emphasizing the power of education, he described it as "emancipation, empowerment, and enrichment," urging students to pursue lifelong learning and use knowledge as a means for social transformation.

At the 7th Convocation Ceremony



of MIT World Peace University (MIT-WPU), degrees were conferred upon 6,837 students from Diploma, Undergraduate, and Postgraduate programs across diverse disciplines. A total of 114 Gold, 103 Silver, and 103 Bronze Medals were presented to outstanding students, while 37

scholars received Ph.D. degrees for their research excellence. Ms. Shwetha Rajshree Iyer and Ms. Vedangee Gunesh Patkar were honored with the Founder President's Medal and Executive President's Medal, respectively, for their exemplary academic achievements.

नईदुनिया

प्रो. विश्वनाथ डी. कराड 'गवर्नर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित

नईदुनिया प्रतिनिधि, मुंबई/पुणे : शिक्षा और वैश्विक शांति में उनके योगदान के लिए एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के संस्थापक-अध्यक्ष प्रो. डॉ. विश्वनाथ डी. कराड को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. बी. आनंद बोस ने 'गवर्नर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया। यह सम्मान एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के 7वें दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदान किया गया।

समारोह में 6,837 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 114 स्वर्ण, 103 रजत और 103 कांस्य पदक प्रदान किए गए, जबकि 37 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि दी गई। सुश्री श्वेता राजश्री अय्यर और सुश्री वेदांगी गणेश पाटकर को क्रमशः संस्थापक अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष पदक से सम्मानित किया गया।



राज्यपाल डॉ. बोस ने कहा कि शिक्षा का अर्थ सशक्तिकरण और समाज परिवर्तन है। उन्होंने प्रो. डॉ. कराड की दूरदर्शिता और उनके विचारों को कर्म में बदलने की क्षमता की प्रशंसा की।

प्रो. कराड ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान नहीं, बल्कि विज्ञान, अध्यात्म और दर्शन का समन्वय है, जो जागरूक और करुणामय

व्यक्तित्व का निर्माण करता है।

विशेष अतिथि प्रो. डॉ. राम चरण ने विद्यार्थियों को अपने सफर की नई शुरुआत और निरंतर सीखने का संदेश दिया। समारोह के समापन पर कार्यकारी अध्यक्ष राहुल वी. कराड ने सभी स्नातकों और पदक विजेताओं को बधाई दी और समाज की प्रगति में योगदान देने की प्रेरणा दी।

स्वदेश

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के संस्थापक गवर्नर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित

मुंबई। एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के संस्थापक-अध्यक्ष प्रो. डॉ. विश्वनाथ डी. कराड को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीबी आनंद बोस द्वारा "गवर्नर अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस" से सम्मानित किया गया। पुणे में आयोजित एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के 7वें दीक्षांत समारोह में बोलते हुए राज्यपाल डॉ. बोस ने कहा कि हर महान उपलब्धि एक दृष्टि से शुरू होती है, जिसे कर्म में परिवर्तित करना आवश्यक है। दृष्टि बिना कर्म के व्यर्थ है और कर्म बिना दृष्टि के दिशाहीन। शिक्षा की शक्ति पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का अर्थ है मुक्ति, सशक्तिकरण और समृद्धि। विद्यार्थियों को जीवन भर सीखते रहने की भावना रखनी चाहिए और ज्ञान का उपयोग समाज परिवर्तन के साधन के रूप में करना चाहिए। एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के 7वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों के डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के 6,837 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 114 स्वर्ण, 103 रजत और 103 कांस्य पदक दिए गए, जबकि 37 शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। श्वेता राजश्री अय्यर और वेदांगी गणेश पाटकर को क्रमशः संस्थापक अध्यक्ष पदक और कार्यकारी अध्यक्ष पदक से सम्मानित किया गया।

The INDIAN ERA

Dr. C. V. Ananda Bose, Governor of West Bengal Honours Prof. Dr. Vishwanath D. Karad with Governor's Award of Excellence

New Delhi, (ENS): In recognition of his lifelong contributions toward education and global peace, Prof. Dr. Vishwanath D. Karad, Founder-President of MIT World Peace University (MIT-WPU), was honored with the "Governor's Award of Excellence" by Dr. C. V. Ananda Bose, Governor of West Bengal.

Speaking at the 7th Convocation Ceremony of MIT-WPU in Pune, Dr. Bose remarked, "Every great achievement begins with a vision that must be translated into action. Vision without action is meaningless, and action without vision can be counterproductive."

Emphasizing the power

of education, he described it as "emancipation, empowerment, and enrichment," urging students to pursue lifelong learning and use knowledge as a means for social transformation.

At the 7th Convocation Ceremony of MIT World Peace University (MIT-WPU), degrees were conferred upon 6,837 students from Diploma, Undergraduate, and Postgraduate programs across diverse disciplines. A total of 114 Gold, 103 Silver, and 103 Bronze Medals were presented to outstanding students, while 37 scholars received Ph.D. degrees for their research excellence. Ms. Shwetha Rajshree Iyer

and Ms. Vedangee Gunesh Patkar were honored with the Founder President's Medal and Executive President's Medal, respectively, for their exemplary academic achievements. Praising Prof. Dr. Vishwanath D. Karad, Founder-President of MIT-WPU, Dr. C. V. Ananda Bose, Governor of West Bengal, described him as a visionary leader who turned ideas into reality through dedication and purposeful action. Referring to the World Peace Dome, Dr. Bose remarked, "This magnificent dome stands as a symbol of how vision, when blended with action, can create something truly transformative."

Jammu, Oct 13: In recognition of his lifelong contributions toward education and global peace, Prof. Dr. Vishwanath D. Karad, Founder-President of MIT World Peace University (MIT-WPU), was honored with the "Governor's Award of Excellence" by Dr. C. V. Ananda Bose, Governor of West Bengal.

Speaking at the 7th Convocation Ceremony of MIT-WPU in Pune, Dr. Bose remarked, "Every great achievement begins with a vision that must be translated into action. Vision without action is meaningless, and action without vision can be counterproductive."

Emphasizing the power of education, he described it as "emancipation, empowerment, and enrichment," urging students to pursue lifelong learning and use knowledge as a means for social transformation.

At the 7th Convocation Ceremony of MIT World Peace University (MIT-WPU), degrees were conferred upon 6,837 students from

Diploma,

Daily Jammu JOTTINGS

Dr. Vishwanath D. Karad honoured at MIT-WPU convocation

Undergraduate, and Postgraduate programs across diverse disciplines. A total of 114 Gold, 103 Silver, and 103 Bronze Medals were presented to outstanding students, while 37 scholars received Ph.D. degrees for their research excellence. Ms. Shwetha Rajshree Iyer and Ms. Vedangee Gunesh Patkar were honored with the Founder President's Medal and Executive President's Medal, respectively, for their exemplary academic achievements.

Praising Prof. Dr. Vishwanath D. Karad, Founder-President of MIT-WPU, Dr. C. V. Ananda Bose, Governor of West Bengal, described him as a visionary leader who turned ideas into reality through dedication and purposeful action. Referring to the World Peace Dome, Dr. Bose remarked, "This magnificent dome stands as a symbol of how vision, when blended with action, can create something truly transformative. Dr. Karad's life and work embody the spirit of education, peace, and human val-

ues that inspire generations."

Speaking at the occasion, Dr. Vishwanath D. Karad, Founder President, MIT World Peace University said, "This convocation is not just an academic milestone but a reaffirmation of our mission of peace and harmony. In a world marked by chaos and uncertainty, true education must unite science, spirituality, and philosophy to nurture enlightened minds and compassionate hearts. It is through this union that we can build a world rooted in understanding, introspection, and lasting peace."

Special Guest of Honour, Prof. Dr. Ram Charan, was highly delighted to see the number of students at the convocation and said, "Today marks Day Zero — the true beginning of your journey."

Your classrooms and professors have guided you so far; now the world is your university. Expand your mind every day, discover your true calling, keep learning, build relationships, earn trust, and master the fundamentals. Success and fulfill-

ment belong to those who cultivate their mind, character, and skills — the rest is up to you."

Mr. Rahul V. Karad, Executive President, MIT-WPU, expressed his heartfelt gratitude to all attendees, dignitaries, and parents for their continued support, during this occasion and said, "I extend my heartfelt congratulations to all the graduates, gold medalists, and award winners of MIT-WPU. Today is a celebration of your dedication, hard work, and achievement. We sincerely thank the Honble Governor, our Chancellor, faculty, and parents for their guidance and encouragement. This institution, under the visionary guidance of Prof. Dr. Vishwanath D. Karad, has not only equipped students with knowledge but has nurtured values, critical thinking, and a problem-solving mindset. As you step forward, carry these lessons with you and use your education to contribute meaningfully to society, promote peace, and help build a better world."

Dr. Vishwanath D. Karad honoured at MIT-WPU convocation

NL CORRESPONDENT

JAMMU TAWI: In recognition of his lifelong contributions toward education and global peace, Prof. Dr. Vishwanath D. Karad, Founder-President of MIT World Peace University (MIT-WPU), was honored with the "Governor's Award of Excellence" by Dr. C. V. Ananda Bose, Governor of West Bengal.

Speaking at the 7th Convocation Ceremony of MIT-WPU in Pune, Dr. Bose remarked, "Every great achievement begins with a vision that must be translated into action. Vision without action is meaningless, and action without vision can be counterproductive."

Emphasizing the power of education, he described it as "emancipation, empowerment, and enrichment," urging students to pursue lifelong learning and use knowledge as a means for social transformation.

At the 7th Convocation Ceremony of MIT World Peace University (MIT-WPU), degrees were conferred upon 6,837 students from Diploma, Undergradu-

ate, and Postgraduate programs across diverse disciplines. A total of 114 Gold, 103 Silver, and 163 Bronze Medals were presented to outstanding students, while 37 scholars received Ph.D. degrees for their research excellence. Shwetha Rajshree Iyer and Vedangee Guneshe Patkar were honored with the Founder President's Medal and Executive President's Medal, respectively, for their exemplary academic achievements.

Praising Prof. Dr. Vishwanath D. Karad, Founder-

President of MIT-WPU, Dr. C. V. Ananda Bose, Governor of West Bengal, described him as a visionary leader who turned ideas into reality through dedication and purposeful action. Referring to the World Peace Dome, Dr. Bose remarked, "This magnificent dome stands as a symbol of how vision, when blended with action, can create something truly transformative. Dr. Karad's life and work embody the spirit of education, peace, and human values that inspire generations."

Speaking at the occasion, Dr. Vishwanath D. Karad, Founder-President, MIT World Peace University said, "This convocation is not just an academic milestone but a reaffirmation of our mission of peace and harmony. In a world marked by chaos and uncertainty, true education must unite science, spirituality, and philosophy to nurture enlightened minds and compassionate hearts. It is through this union that we can build a world rooted in understanding, introspection, and lasting peace."



Special Guest of Honour, Prof. Dr. Ram Charan, was highly delighted to see the number of students at the convocation and said, "Today marks Day Zero — the true beginning of your journey. Your classrooms and professors have guided you so far; now the world is your university. Expand your mind every day, discover your true calling, keep learning, build relationships, earn trust, and master the fundamentals. Success and fulfillment belong to those who cultivate their mind, character, and skills — the rest is up to you."

Rahul V. Karad, Executive President, MIT-WPU, expressed his heartfelt gratitude to all attendees, dignitaries, and parents for their continued support, during this occasion and said, "I extend my heartfelt congratulations to all the graduates, gold medalists, and award winners of MIT-WPU. Today is a celebration of your dedication, hard work, and achievement. We sincerely thank the Hon'ble Governor, our Chancellor, faculty, and parents for their guidance and encouragement."